राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2415
शिकाता गा नई
World Terrorism
राज रजत वर्ष
आतंकहर्ता
नागराज
amaan.cooldude18
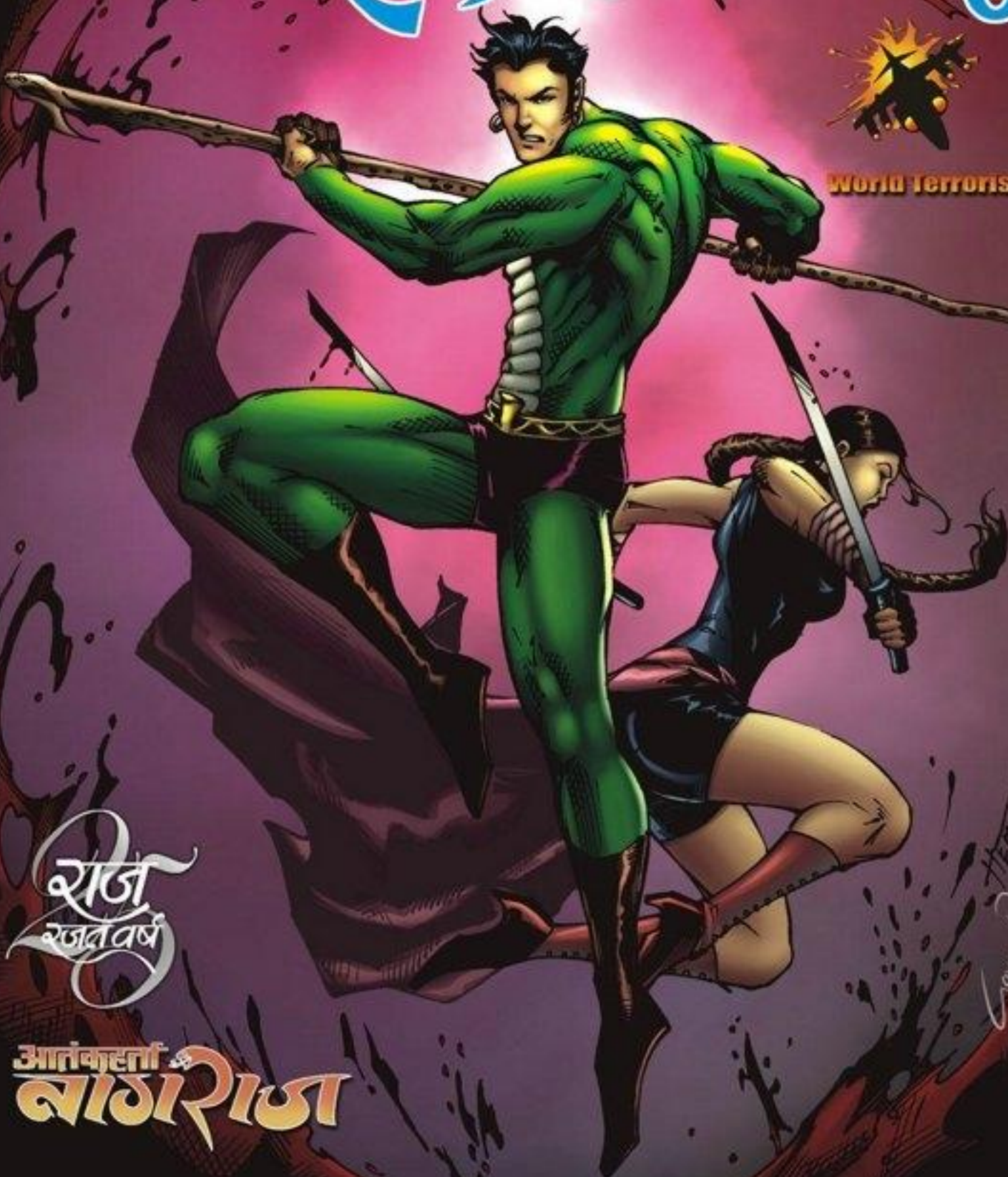
जापान के धार्मिक संगठन ओम के गुरु कोशीमासा ने बनाए विधवंसक हथियार। अमेरिका पर हो गया है हमला शुरु। क्या इस बार खत्म होगा अमेरिका या फिर होगा विश्व युद्ध?

संजय गुप्ता पेश करते हैं! राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

शिकाता गा नई

Nothing Can Be Done

कुछ नहीं किया जा सकता

क्या वाकई इस दुनिया में ऐसा कुछ है जो असम्भव है? इरादे बुलंद हों तो सब कुछ सम्भव है। युद्ध और हत्या समस्याओं का समाधान नहीं।

पूर्व कथा जानने के लिए पढ़ें- रोनिन, कामीकाजे व टोमो।

परिकल्पना	लेखक	चित्रांकन	इंकिंग	इफैक्ट	कैलीग्राफी	संपादक
विवेक मोहन, अनुराग	संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही	हेमंत	गौरव श्रीवास्तव	शादाब	हरीश शर्मा	मनीष गुप्ता

एक असहाय इंसान को मारने में जापान के सिपाही का सम्मान नहीं है।
तुम! नागराज?
दुश्मन से दुश्मनी निभाते वक्त उसे उसके गुनाह का अहसास होना चाहिए।
ये तुम्हारा दुश्मन सही मगर इस वक्त ये होश में नहीं है। बुशिडो के नियमानुसार एक असहाय और बेहोश दुश्मन की जान लेने से एक समुराई का पतन होता है।
और फिर ये इकलौता इंसान है जो सभी रहस्यों पर से परदे उठा सकता है। जापान की तबाही को रोक सकता है।
मुझे सिर्फ एक जांच कर लेने दो।
मैं साबित कर दूंगा कि ये निर्दोष है।

ओह! मेरी सोच सही थी।
इनके मस्तक पर बने ये लाल रक्तिम निशान।
सुईयों के निशान हैं।
और वो सुईयां यहां हैं। इस टोप में।
इन सुईयों ने गुरु कोशीमासा के मस्तिष्क की कई नसों को सुन्न कर रखा था, जिससे वे अपनी सुध-बुध खो बैठे हैं।
ठीक उसी तरह जिस तरह तुमने इटली में मेरी नसों पर कुनई के ऐसे प्रहार किए थे कि मेरा पूरा शरीर पंगु होकर रह गया था।
गुरु कोशीमासा किसी षड्यंत्र के शिकार हुए हैं।
और हर मामले में निर्दोष हैं।
यह टोप पिछले 13 सालों से इनके सिर पर है। इतने सालों से ये अपने होशोहवास में नहीं हैं।

कियो तुम्हारे परिवार का हत्यारा वही नकाबपोश है, जो कोर्ट से इन्हें किडनैप करके ले गया था।
कड़ाक!
इन्हें होश आ रहा है। वही हमें असली अपराधी तक पहुंचा सकते हैं, जो आज भारी तबाही मचाना चाहता है।
नागराज यह बहुत शातिर शैतान है। तुम इसकी शक्तियों से वाकिफ नहीं हो। इसके अंदर कई शैतानी शक्तियां हैं। सब कुछ वही करवा रहा होगा।
अब इसे होश आ गया है और मेरी कटाना भी फड़फड़ा रही है।
कियो तुम पहले अपना बदला लेना चाहोगी या पहले जापान को बचाना चाहोगी?
जल्दी चुनो। बदला या जापान?
जापान!
मैं इसके मुंह से सच्चाई सुनने तक अपना बदला नहीं लूंगी।
4
amaan.cooldude18

आधे घंटे बाद-
नागराज तुम इससे कुछ नहीं कबुलवा पाओगे। यह लातों का भूत है इसे मेरे हवाले कर दो।
ओह! शट अप कियो! यह चाहकर भी कुछ बोल नहीं पा रहे हैं।
इनकी उंगलियां फड़फड़ा रही हैं। मुझे एक कागज़ और पेन दो।
यह क्या है गुरु कोशीमासा?
बोलो गुरु कोशीमासा। सुबह होते ही तबाही टूट पड़ेगी।
मानवता के पास ज्यादा समय नहीं है। जापान खतरे में है।
नागराज का गुस्सा देख दंग रह गई थी कियो भी।

बहुत यत्न के बाद गुरु कोशीमासा अपने हाथ को उठा पाए।
यह क्या कहना चाहते हैं? क्या है इनके इशारे का मतलब?
बुड्ढा कह रहा है, मुझे बाहर जाना है। कमीने को आजादी चाहिए।
स्टॉप इट कियो। बेबसी और पश्चाताप् के आंसू कुछ और ही कहना चाहते हैं।
अपने बदले की भावना पर काबू करो जिसने तुम्हारे दिमाग को भी अंधा कर दिया है।
काबू करने का काम तुम बखूबी कर सकते हो नागराज क्योंकि तुम्हारे खून की तरह तुम्हारी भावनाएं भी ठंडी हैं।
ठीक कहा था कियो ने काबू करने का काम नागराज से बेहतर और कोई नहीं कर सकता था।
मुझे इन्हें सम्मोहित करना होगा और इनसे मानसिक सम्पर्क बनाना होगा क्योंकि यह कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं।
नागराज ने कोशीमासा के मस्तिष्क में प्रवेश करना शुरु किया-
6
amaan.cooldude18

नागराज का ताकतवर दिमाग कोशीमासा की दिव्य मानसिक शक्तियों के सम्पर्क में पहुंचा।
जैसे दो सूर्यों का टकराव हुआ हो। असीमित ऊर्जा का उत्सर्जन हुआ।
असहनीय मानसिक पीड़ा ने नागराज को झकझोर कर रख दिया-
आह!
नागराज!
उसी समय इमारत भागते कदमों की आहट से गूंज उठी-
मैंने तुम्हें कहा था ना कि यह शैतान है। इसे खत्म कर दो।
लगता है अमेरिकन अफसरों को यहां की गड़बड़ का संदेह हो गया है।
अब क्या?
अब हमें यहां से निकलना होगा।
नागू!
नागू तुरंत बाहर आया-
नागू! गुरु कोशीमासा को अब तुम्हें संभालना होगा। इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है।
बेफिक्र रहो नागराज। मैं इन पर आंच भी नहीं आने दूंगा।
तुम इसे जिंदा छोड़ रहे हो नागराज?
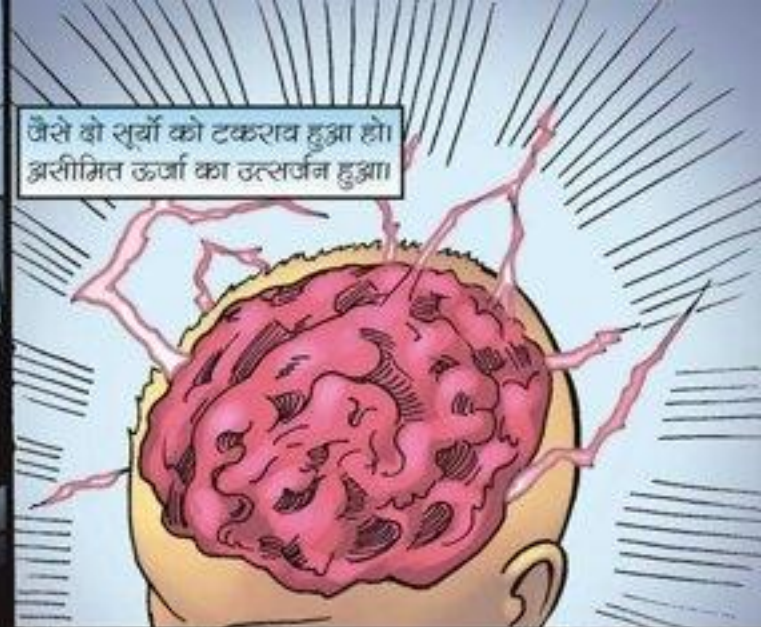
कियो तुमने जापान को चुना है तो अपना पहला और आखिरी लक्ष्य जापान को बनाओ।
मेरा विश्वास करो तुम्हारे पिता का कातिल तुम्हारे ही हाथों सजा पाएगा।
आओ मेरे साथ।
कमरे में घुसा अमेरिकी तूफान-
कोशीमासा शैतान है। उसने हमारे अफसरों को मार डाला और आजाद हो गया।
FBI
FBI
नागराज कियो के साथ उसी बिल्डिंग की छत पर पहुंच चुका था।
कियो इन लकीरों का क्या अर्थ हो सकता है?
इनका कोई अर्थ नहीं है नागराज। वह शैतान तुम्हें भटकाना चाहता था।
वो कुछ बताना चाहता था उसने उस दिशा में इशारा भी किया था।
यह क्या? जापान का फ्लेग। उस समय तो वहां कुछ नहीं था।
हां नागराज। यह जापान का फ्लेग निसोकी है।
माउंट फूजी पर लेजर द्वारा बनाया गया है।
लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है।
इस आपात स्थिति में जापान सरकार को यह करने की क्यों सूझी?
शायद मेरा ध्यान भटक रहा है। हमें कोशीमासा के चित्र को डीकोड करना चाहिए जिस पर लाखों लोगों की जिंदगी टिकी हुई है।
नागराज मैं एक समुराई हूं। एक ड्रेगन फाइटर। इस पहेली को हल करना मेरा काम नहीं है।

कियो! एक समुराई जापान का सच्चा सिपाही होता है। एक सच्चा सिपाही तन, मन, धन से देश पर न्यौछावर हो जाता है।
देखो इस चित्र को। तुम जापानी हो। जापान को और जापानी भाषा कांजी को तुमसे बेहतर मैं भी नहीं जानता। तुम इसका अर्थ खोज सकती हो।
जापान का सच्चा सिपाही वही तो कहा था मेरे पिताजी ने मुझे कटाना सौंपते समय।
उन्होंने अटकते-अटकते स्वर में कहा था कटाना...जापान के सिपाही के हाथ में... अमर... असमाप्त... ऐश्वर्य...शैतान के हाथ में बर्बादी...तबाही।
ओह! जापान का ऐश्वर्य,असमाप्त, अमर, बेजोड़ सिपाही तो माउंट फूजी के लिए कहा जाता है।
पिताजी घायल थे। पूरा वाक्य नहीं बोल पा रहे थे। वो मुझे माउंट फूजी के बारे में बताना चाह रहे थे।
लेकिन मैं उनके शब्दों का सही अर्थ नहीं निकाल पाई।
माउंट फूजी ही है जापान का अमर सिपाही जो जापान की सुरक्षा के लिए अडिग है।
कटाना शैतान के हाथ में बर्बादी। यानि कि वो मुझसे कटाना की सुरक्षा चाहते थे।
उन्होंने गुरु कोशीमासा को नाम भी लिया था। जिससे मैं उन्हे हत्यारा समझ बैठी। वह कटाना जरूर उन्हें गुरु कोशीमासा ने ही सौंपी होगी, उसकी सुरक्षा के लिए।
फट
फट
फट
यानि कि कटाना का संबंध माउंट फूजी के साथ है और माउंट फूजी को जापानी फ्लेग से रेशन सरकार ने नहीं किसी और ने किया है।
कोई और जिसके हाथ में कटाना जापान की तबाही बनने वाली है।
हम सेना की नजर में आ गए हैं। हमें इनके हथियारों से बचना है और सफर के लिए इस हैलिकॉप्टर पर कब्जा करना है।
चलो कियो। हमें गुरु कोशीमासा की कटाना वापस लेनी है।
वरना! शैतान शिगेहीरो आज अमेरिका को नागासाकी बना देगा।
हमें अमेरिका को बचाना है और बचाना है जापान को तीसरे विश्वयुद्ध का कारण बनने से।
मुझे शैतान शिगेहीरो से लेना है अपने परिवार का बदला।
पायलट! जिंदगी चाहता है तो जिधर कहें, उधर चल।
9
amaan.cooldude18

अब अमेरिका के चंगुल से निकल जाएगा जापान।
और उसके बाद सारी दुनिया होगी हमारे कब्जे में।
सब ढूंढते रह जाएंगे। अमेरिका को अब सब नक्शे पर ही ढूंढते रह जाएंगे।
गुरु कोशीमासा ने जो भविष्यवाणी की थी उसे पूरा होने से कोई नहीं रोक सकता।
फिलहाल हेलीकॉप्टर नागराज के कब्जे में था।
फट फट फट
कहां और क्या है शैतान का हथियार?
शैतान की नजर में आ चुका था वो हेलीकॉप्टर।
अमेरिकन फोर्स का यह हेलीकॉप्टर बहुत करीब आ गया है। इसे उड़ाना होगा।
तभी माउंट फ्यूजी से लपलपाता हुआ निकला वो अग्नि गोला।

2200°F के उस ज्वालामुखी बम ने हेलीकॉप्टर के चिथड़े उड़ा दिए।
जल्द ही दोनो माउंट फूजी पर शिनेहीरो के समुराई से घिरे खड़े थे।
सावधान नागराज। यह सभी जापानी मार्शल आर्ट्स के बेहतरीन समुराई हैं।
शुक्रिया कियो।
लेकिन नागराज कियो के साथ सुरक्षित छलांग लगा चुका था।
आप सभी योद्धाओं को, मैं नागराज अभिवादन करता हूं।
उफ! यह क्या कर रहे हो नागराज? यह सभी खूंखार हैं, आक्रमक हैं। तुम्हारी शालीनता, शिष्टाचार का यहां कोई असर नहीं होगा। यह युद्ध है।
मार्शल आर्ट्स एक कला है। हर कला का सम्मान करना अनिवार्य होता है। हर समुराई जानता है कि हर चीज रई से शुरू होती है और रई से खत्म होती है। जीते जो भी लेकिन कला का अपमान नहीं होना चाहिए।
देखो कियो एक अकेले मेरे झुकने से हजारों सिर झुक गए।
इन्होंने चक्रव्यूह बनाया है। आगे हैं नगीनाता और बारी संभाले नागीनाता जुत्सू और सोजुत्सू के योद्धा।
उनके पीछे हैं केन जुत्सू के योद्धा जो कटाना और वाकीजाशी संभाले हैं।
अंत में हैं क्यूडो के योद्धा, जिनके हाथों में है युमी। इनमें एक मिनट में चार तीर छोड़ने की काबलियत होती है।
ये एक साथ हमला करेंगे। बचना नामुमकिन होगा।
मुझे कियो का भी बचाव करना होगा। इसके कारण मेरा ध्यान भंग होगा।

लेकिन बुशिडो जिसे जापानी मार्शल आर्ट का धर्मग्रंथ कहा जाता है में लिखा है कि...
अपने दिमाग में सिर्फ युद्ध को रखो। बाकी सभी विचारों से मस्तिष्क को खाली कर दो-
क्रोध, बदला, विजय, पराजय, अहम् को भूल जाओ।
खुद को हथियार बना डालो-
हथियार का काम है युद्ध करना।
हथियार का काम है वार करना।

हथियार कभी जीत-हार की नहीं सोचता।
क्योंकि हथियार के अंदर दिमाग नहीं होता।
हथियार में होती है चमक।
जो शत्रु की आंखों को चौंधिया देती है।
हथियार में होती है धार।

जो शत्रु को काट देती है।
ऐसा एक हथियार एक हजार की सेना पर भारी पड़ सकता है।
मैंने सोचा था कि बचना नामुमकिन होगा लेकिन नागराज के लिए नामुमकिन कुछ नहीं।
ओह! दंभ आ गया दिमाग में और ध्यान भटक गया।

यह तोंबोगिरी है सबसे धारदार भाला
जिस पर मक्खी बैठ जाए तो कट जाए।
इससे पहले कि नागराज उस भाले को अपने जिस्म से निकालता-
रुक जाओ किंयो। हथियार डाल दो।
वरना नागराज की गर्दन जमीन पर गिरा दी जाएगी।
किंयो तन्मयता से अपने दुश्मनों को काटने में व्यस्त थी।
उसे नागराज की इस स्थिति का आभास भी नहीं था।
मैं इसका बचाव क्या करता उल्टा
मेरे कारण इस शेरनी को अपने
पंजे तोड़ने पड़ गए।
सॉरी किंयो।

स्वागत है आतंकहर्ता नागराज और ग्रेट कल्ट लॉयर टोमोशोगो की पुत्री कियो का अहिंसा प्रेमी गुरु शिगेहीरो के दरबार में।
दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ी हिंसा आज करूंगा मैं।
ठीक आठ बजते ही जापान का महानतम सिपाही माउंट फूजी अपने गले से उगलेगा अग्नि और अमेरिका को तबाह करके जापान के अपमान का बदला लेगा।
तुम दोनों इस महान नजारे को देखने के लिए मेरे विशेष अतिथि बनोगे।
शिगेहीरो एक मौका मुझे दे। मैं तुझे यमराज का अतिथि बना दूंगी।
ओह! अपने पिता की ही तरह देशद्रोही है तू भी। उसे हमने इतना समझाया लेकिन वो नहीं समझा। काटना पड़ा। पूरे परिवार को काटना पड़ा। अमेरिकियों के तलवे चाटने को देशभक्ति समझते हो तुम सभी।
मेरे पिता देशद्रोही नहीं थे शिगेहीरो।
हमने अपनी जिंदगियां गुजार दीं इस सुनहरे दिन के लिए। जापान को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराएंगे आज हम। देशभक्त था ओम गुरु कोशीमासा जिसने माउंट फूजी प्रोजेक्ट शुरू किया। देशभक्त था शांतियो। देशभक्त है शिगेहीरो।
टोमो शोगो जैसा हर देशद्रोही काट दिया जाएगा।
मैंने कहा ना कि वो देशद्रोही नहीं थे।
जहर बुझी थी कियो की हील।
amaan.cooldude18

वो देश की शान थे। मैं यह साबित करके रहूंगी।
शोगो कियो के हाथों में आ चुकी थी-
शिगेहीरो के समुराई नागराज और कियो की तरफ लपके-
कोई मेरी और कियो की लड़ाई के बीच में नहीं आएगा। मैं इस लड़की को मौका जरूर दूंगा और इसे इसके पिता के पास पहुंचाऊंगा और तुम नागराज को कियो तक पहुंचाना।
कियो के आजाद होते ही नागराज ने भी सभी को जमीन सुंघा दी।
कियो कुछ जल्द ही भड़क गई। मैं चाहता था कि पहले शिगेहीरो अपने गुनाह की पूरी दास्तान सुना ले तब जंग शुरू की जाए।
शिगेहीरो अपने पिता के पास मैं जरूर जाऊंगी लेकिन तेरी गर्दन हाथों में लेकर।
बातो जुत्सु का योद्धा हूं मैं। जो अपनी कटाना साया से निकालकर साया में ही पहुंचाता है। दुश्मन का सर कलम करने के बाद।
वह दोनों सिद्ध समुराई हैं। सिद्ध समुराई लगातार बीस दिन तक भी निरंतर लड़ते रह सकते हैं। लेकिन मुझे अपना युद्ध जल्दी समाप्त करना है। क्योंकि आठ बजने में केवल पांच मिनट बाकी हैं।
amaan.cooldude18

यहां खतरा जिंदा रहेगा तब तक-
जब तक जिंदा है शिगेहीरो का एक भी समुराई।
मैं अब तक मार्शल आर्ट को सम्मान दे रहा था-
यह सम्मान और शालीनता इन शैतानों को तो बहुत पसंद आएगी-
पर मानवता को मार देगी। मुझे दिखानी ही होगी नागशक्ति की शक्ति।
बहुत दिखा लिया सम्मान।
पांच मिनट में मारूंगा पांच सौ शैतान।

उफ! यह नागराज तो पूरा यमदूत है। मुझे पहले इसका इंतजाम करना होगा।
शिनेहीरो अपने कंट्रोल पेनल की तरफ उछला-
बहुत हुआ नागराज। अफसोस कि तू माउंट फूजी का विनाशकारी रूप ऊपर से नहीं देख पाएगा।
बल्कि माउंट फूजी के अंदर जाकर देखेगा।
और लो बज गए आठ। अब अमेरिका का बजेगा बैंड। आज अमेरिका बनेगा नागासाकी।
जो हुआ वो इतना अप्रत्याशित हुआ कि नागराज संभल भी ना पाया और लावा ट्यूब में गिरता चला गया। जहां का 2200 F. से ऊपर का तापमान किसी की भी जान ले सकता था-नागराज की भी।

माउंट फ्यूजी से छूट निकले लावा के विशाल गोले।
बूम्म!!
न्यूयॉर्क सिटी की सड़कों पर बरस पड़ी थी आग-
बूम्म!!!
भक्काक!!!
बामSSSSS
amaan.cooldude18

बूम्म!!!
माउंट फूजी हथियार नहीं है।
बूम्म!!!
...वो जापान का सिपाही है...
...और हमेशा रहेगा।
कियो की कटाना आज गुरु ड्रेगो की सारी शिक्षा का प्रदर्शन करने पर उतारू थी।
मेरे पिता देश के नियमों और कानून का पालन करने वाले एक श्रेष्ठ पुरुष थे शिगेहीरो।
एक समुराई से ड्रेगन फाइटर तक के कठिन अभ्यास का हरेक प्रहार उसने झोंक डाला था-

इधर नागराज ज्वालामुखी की बेइंतहा गरमी को नहीं झेल पाया-
वो अपने होश खो चुका था।
अब बारी थी उसकी जिंदगी खोने की।
अचानक नागराज के जिस्म ने तेज झटका खाया और उसका जिस्म हवा में स्थिर हो गया।
उसके बेहोश होते ही उसके अवचेतन मस्तिष्क पर हावी हो गया था गुरु कोशीमासा का मानस रूप।
तुम्हें कुछ नहीं होगा नागराज। तुम दिव्यात्मा हो। रक्षक हो।
तुम वो अवतार हो जिसे प्रलय के दिन विश्व की रक्षा करनी है।
मैं गलत था जो खुद को मसीहा समझ बैठा था।
कियो गुरु ड्रेगो का पहला और अंतिम आदेश भूल चुकी थी।
कि एक ड्रेगन फाइटर को कभी भी बदले की भावना से नहीं लड़ना चाहिए।

गुरु और उसकी शिक्षा का अपमान करके आई थी वो-
आह
तुम बचाओगे सम्पूर्ण प्राणि जगत के प्राण और जापान का सम्मान।
हां नागराज मैं भूल कर बैठा।
जापान पर अमेरिका की आधिनता मुझे स्वीकार्य नहीं थी। मुझे लगता था कि उदंड अमेरिका जापान को कभी पनपने नहीं देगा...
भूल बैठी थी कि अब वो ड्रेगन फाइटर नहीं रही है।
दुश्मन उसे उसकी भूल की सजा देने में सक्षम था।
...और यदि कभी जापान ने ऐसी कोशिश की तो अमेरिका जापान पर फिर हमला कर देगा और तब जापान के पास उस हमले का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए कोई आक्रमक हथियार नहीं होगा।
मैंने ओम की स्थापना की और कई तरह के हथियारों के निर्माण में जुट गया। मैं वक्त पड़ने पर जापान की मर्यादा की रक्षा के लिए एक उचित और विध्वंसक हथियार बनाना चाहता था। किंतु मैं अपनी कोशिशों से संतुष्ट नहीं था।
"उस दिन जब मैं उससे मिला तो उसका प्रस्ताव सुनकर मैं उसे मसीहा समझ बैठा।"
गुरु कोशीमासा मैंने इस प्रोजेक्ट पर गहन अध्ययन किया है। मेरे पास वैज्ञानिकों की पूरी टीम है जो इस हथियार को बहुत शीघ्र डेवलप कर सकती है। यह ब्रह्म हथियार है। जिसकी कोई काट नहीं है।

"उसकी बातें सुनकर मेरे सिर में नागासाकी और हिरोशिमा जैसे धमाके गूंज रहे थे। उसकी इस भावना से तो मैं परिचित ही नहीं था। उसने ही मुझे अंधेरे में रखा था। मैं नहीं जानता था कि माउंट फूजी किसी के बदले का प्रहारक बनने जा रहा है।"

"उसकी दुर्भावनापूर्ण बातें सुनकर मैं दंग था।"

मेरे पिता अमेरिकी थे। 1945 में परमाणु रेडिएशन से घिरे जापान में उनसे जलन करने वाले अफसरों ने उन्हें जबरदस्ती भेजा। मेरे पिता यहां आकर बीमार पड़ गए। मेरी मां जोकि जापान की सेल्फ डिफेंस फोर्स की मेडिकल टीम में डॉक्टर थीं, उन्होंने मेरे पिता का इलाज किया। दोनों में प्रेम हो गया। नतीजा दोनों ने शादी करली। उन्होंने मेरे पिता को मेडिकल ग्राउंड पर वापस अमेरिका भेजने की लाख कोशिशें की पर नाकाम रहीं।

और एक दिन मेरे पिता ने बीमारी से तंग आकर माउंट फूजी के जंगलों ओकीगहरा में आत्महत्या कर ली।

मेरी मां उनकी मौत से टूट गईं। मैंने उन्हें तिल-तिल कर घुटन भरी जिंदगी जीते देखा। मैं उन दोनों के गमों को भुला ना सका। मैंने अपना बचपन और जवानी इसी हथियार का सपना देखते गुजारी है। गुरु कोशीमासा अब हर अमेरिकी मेरे माता-पिता की मौत का बदला चुकाएगा।

इन्होंने हर जापानी को एक मंत्र दिया था। शिकाता गा नई यानि कि कुछ नई किया जा सकता। अब हर अमेरिकी भी यही कहेगा शिकाता गा नई यानी NOTHIG CAN BE DONE.

"पार्टी खत्म होने के बाद जब वो शैतान माउंट फूजी के कंट्रोल स्टेशन से चला गया। तब-"

उफ! मैंने कभी भी यह तो सोचा भी ना था कि यह विध्वंसक हथियार दुनिया को खत्म करने के काम भी आ सकता है। क्या एक दिन यही हथियार दुनिया में प्रलय लाएगा? नहीं! मुझे इसे यहीं रोकना होगा।

"मैंने उन सभी वैज्ञानिकों और टेक्निशियन्स को माउंट फूजी कंट्रोल रूम में ही लॉक कर दिया। दरवाजा बिना खास चाबी के नहीं खोला जा सकता था। अब कुछ दिनों में माउंट फूजी जैसा खतरनाक हथियार बनाने वाले सभी वैज्ञानिक व टेक्निशियन्स अंदर ही मर जाने वाले थे। माउंट फूजी को चला सकने वाली खास चाबी मेरे पास सुरक्षित थी।"
"मैं वापस अपने आश्रम की तरफ चल पड़ा था। अचानक बहुत सी चिंताओं ने मुझे घेर लिया था। मेरे गैरकानूनी हथियारों की फैक्ट्रिस जिन्हें मेरा शिष्य शिगेहीरो चलाता था मुझे उनकी भी चिंता हो गई कि कहीं किसी दिन वो भी दुनिया के लिए या जापान के लिए खतरा ना बन जाएं। मैंने उन्हें भी बंद करने की ठान ली। मैंने शिगेहीरो को फोन मिलाया?"
शिगेहीरो। मैं सभी हथियारों की फैक्ट्रिस को तुरंत बंद करना चाहता हूं। तुम आश्रम पहुंचो। ओम!
पहुंचता हूं गुरु कोशीमासा। ओम!
"मैं आश्रम पहुंचा। अब मुझे माउंट फूजी प्रोजेक्ट की खास चाबी को सुरक्षित करने की चिंता थी क्योंकि माउंट फूजी के शैतान को प्रोजेक्ट बंद होने की सूचना जल्द ही मिल जानी थी। उसी समय मेरी एंटी कल्ट लॉयर टोमोशोगो से मीटिंग तय थी। वो मुझसे मिलने आ पहुंचा।"
गुरु कोशीमासा मैं ओम की धांधलेबाजी को किसी कीमत पर सहन नहीं कर सकता। आपने मुझे यहां किस लिए बुलाया है? अगर आप सोचते हैं कि मुझे दौलत से खरीद लेंगे तो गलत सोचते हैं। मैं ओम को बंद करवा कर रहूंगा।
मैं खुद ओम को बंद कर रहा हूं, टोमोशोगो।
"तभी आश्रम के मेन गेट पर फायरिंग की आवाजें सुनाई दीं। मैं समझ गया कि वो शैतान आ गया है।"
"उसने आश्रम में जबरदस्ती घुसने की कोशिश की होगी। फायरिंग उसी का नतीजा थी। अब मेरे पास समय कम था।"
"मैंने टोमोशोगो को माउंट फूजी की वो खास चाबी संभलवाने का निश्चय किया और उसे अपनी कटाना सौंपते हुए मैंने उससे याचना की-"
टोमोशोगो ये कटाना सिपाही के हाथ में जापान का भविष्य है और शैतान के हाथ में जापान की बर्बादी। इसे संभाल कर रखना, कभी किसी के हाथ न लगने देना।
"मैंने उसे तत्काल गुप्त रास्ते से सुरक्षित निकाल दिया।"
27
amaan.cooldude18

"तत्क्षण वहां प्रवेश किया उस शैतान ने। आते ही वो मुझ पर टूट पड़ा।"
कोशीमारा मुझे माउंट फूजी की चाबी दे दे। आज मुझ पर शैतान हावी है। मैं तुझे जान से मार दूंगा।
"मैं गंभीर रूप से घायल हो चुका था। तभी दौड़ते कदमों की आहटों ने उसके हाथों को थाम लिया। मुझे छोड़कर वो खिड़की की तरफ भागा।"
मैं तुझे आसानी से नहीं छोड़ूंगा कोशीमारा। मैं फिर लौटूंगा।
"मेरा लहूलुहान जिस्म उसे पकड़ना चाहता था लेकिन वो शैतान भाग निकला। मेरे होशोहवास मेरा साथ नहीं दे रहे थे।"
"आज मुझ पर भी शैतान हावी था। अपनी हजार जिंदगियां न्यौछावर करने को तत्पर था मैं। वो मेरे संकल्प को नहीं हिला पाया।"
"तभी कक्ष में प्रवेश किया मेरे शिष्य शिगेहीरो ने। शिगेहीरो माउंट फूजी प्रोजेक्ट के बारे में कुछ नहीं जानता था। मेरी नजर में वो एक आज्ञाकारी शिष्य था। लेकिन वो भी उच्चाकांक्षाओं का शिकार था। मैंने जैसे बीज बोए थे फल भी वैसे ही मिलने थे। उसने भी मुझे अपने प्रतिवार की शतरंज का मोहरा बनाने की ठान ली थी।"

"वो मुझे अस्पताल तो ले चला लेकिन मेरा टोप उतारकर उसने मुझे ऐसा टोप पहना दिया जिसने मेरा मस्तिष्क शून्य कर दिया। ओम को कानून का निशाना बनाकर खुद को बचाकर, उसने शांतियो की स्थापना करने की ठान ली थी।"
"गहरी चाल चली उसने। एंटी कल्ट लीडर टोमोशोगो की जान लेने पहुंच गया। जिससे कि उसकी हत्या का आरोप ओम पर आ जाए।"
"मेट्रो ट्रेन में सरीन गैस अटैक करा दिया ताकि सरकार की नजरों में ओम की गैर कानूनी हथियारों की गतिविधियां आ जाएं। वो मुझे पूरी तरह फंसा देना चाहता था ताकि मैं किसी भी तरह कानून के शिकंजे से ना बच सकूं। फांसी तक ही पहुंचूं।"
"मेरे कुछ गैर कानूनी हथियारों की फैक्ट्रिस और गोदाम पकड़वा कर वो सरकारी गवाह बन गया। कानून से बेदाग बचने के लिए।"
amaan.cooldude18

"फिर उसने शांतियो की स्थापना की और अहिंसा का पुजारी धर्म गुरु बन बैठा। मेरे टोप से वो मेरे उन शिष्यों से संपर्क साधता रहा जो अभी भी बची हुई हथियारों की फैक्ट्रिस में विधवंसक हथियारों के निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। उन्हें यही लगता रहा कि मैं जेल से उन्हें आदेश दे रहा हूं।"

"शैतान शिगेहीरो उनके बैंक एकाउंट में पैसा जमा कराता रहा और उनकी विधवंसक शक्तियों का बिना उनसे मिले इस्तेमाल करता रहा।"

"इसी बीच माउंट फूजी का शैतान मुझे जेल से बाहर निकालने की कोशिशों में लगा रहा। जिसके कारण मुझे गुप्त जेल में पहुंचा दिया गया। तब बरसों के प्रयास के बाद एक दिन उसे युक्ति सूझी और वो शिगेहीरो से जा मिला। उसने शिगेहीरो को माउंट फूजी के बारे में सब कुछ बता दिया। सांप और बिच्छू सहयोगी बन गए थे, विष वमन तो होना ही था। मुझे जले से रिहा कराने के लिए तब रचा गया सारा खूनी खेल।"

शिगेहीरो की कटाना के हल्के से दबाव से किथो की मृत्यु अवश्यंभावी थी। लेकिन...

...मृत्यु टल जाती है तब जब प्रकट होता है कोई अवतार।
उठो कियो। अपनी वाकीजाशी उठाओ और अपने गुरु का ध्यान करके उनसे क्षमा मांगो। उनकी दीक्षा को सच्चे मन से याद करो।
दिखा दो इस शैतान को कि जापान का सच्चा रखवाला कौन है।
PROJECT
...कियो अपना बदला लेने के लिए नहीं लड़ेगी।
गुरु डेंगो आपकी शिष्या आपसे क्षमा मांगती है। मैं आपके बताए मार्ग से कभी नहीं भटकूंगी। आज से...
"आज से कियो लड़ेगी आत्मरक्षा के लिए।"
amaan.cooldude18

जापान की रक्षा के लिए।
"हर मजलूम की रक्षा के लिए।"
कियो के अंदर से एक ड्रेगन फाइटर की फुंफकारती दहाड़ निकली-
बोल शिगेहीरो यह तबाही की मशीन कैसे रूकेगी? रोक इसे।
अमेरिका की तबाही मेरे जीवन का मकसद था।
और अब इस मकसद को जिंदा रखने के लिए मैं अपनी जान भी दे दूंगा कियो।
अगले ही पल शिगेहीरो ने चीर लिया अपना पेट।
ओह इसने काइकेन से हाराकिरी कर ली।
कियो अब हमें खुद इस महा प्रक्षेपास्त्र को रोकने की कोशिश करनी होगी। ना जाने इतनी देर में यह कितनी तबाही कर चुका होगा।
32
amaan.cooldude18

सभी लीवर्स को डाउन कर दो कियो।
नागराज! ऐसे सभी लीवर्स को छेड़ने से कोई बड़ी गड़बड़ भी तो हो सकती है।
उस तबाही से बड़ी गड़बड़ क्या होगी कियो जो अमेरिका पर बरस रही है।
मैंने सभी लीवर्स डाउन कर दिए नागराज।
मैंने भी यह काम कर दिया है कियो। लेकिन...
...तबाही अभी रुकी नहीं है। तबाही जारी है।
हमें यह मशीन तोड़नी होगी।
लेकिन उससे तो यह जगह भी तबाह हो सकती है।

हां! हो सकती है। तुम यहां से निकल जाओ कियो।
अपनी जान बचाओ।
नहीं नागराज। अब कियो को अपनी जान की परवाह नहीं रही। अब कियो को परवाह है इंसानियत की।
धड़ाक
मैं तुम्हारे साथ रहूंगी।
नागराज ठहरो। मशीन टूट गई लेकिन माउंट फूजी अभी भी शांत नहीं हुआ। लगता है हम समय व्यर्थ कर रहे हैं।
दुष्टों ने पूरा इंतजाम किया हुआ है। यह मशीन बिना इसकी चाबी निकाले नहीं बंद होगी। इसकी चाबी ढूंढो।
इसकी चाबी? कैसी होगी इसकी चाबी?
इसकी चाबी गुरु कोशीमासा ने तुम्हारे पिता को दी थी।

और तुम्हारे पिता को दी थी उन्होंने कटाना। जिसका पता गुरु कोशीमासा से लगते ही उन्होंने तुमसे कटाना छीनी और तब जिंदा हुआ माउंट फूजी।
लेकिन इस टूटी फूटी महाकाय मशीन में अब टोमो कैसे मिलेगी?
तुम्हें यह बात पहले क्यों नहीं सूझी। मशीन को क्यों तोड़ा?
हां। तब मैं जल्दबाजी में था। मैंने सोचा कि लीवर डाउन करने से मशीन रूक जाएगी। नहीं रुकी तो सोचा इसे तत्परता से तोड़ दूं। पर यह फिर भी नहीं रूकी। अब...
अब क्या करोगे? कैसे ढूंढोगे टोमो को?
कियो शांति से सोचो। इस मशीन को मेन कंट्रोल जरूर शिगेहीरो के सिंहासन में होगा।
और वहीं होगी इस मशीन को ऑन ऑफ करने की चाबी टोमो यानी कटाना।
गुरु कोशीमासा की कटाना की साया दो कियो।
नागराज के सर्पों ने गुरु कोशीमासा के साया को सूंघा।
35
amaan.cooldude18

दो पलों बाद ही टोमो की मूठ से आ लिपटे थे नागराज के जासूस सर्प।
नागराज ने एक पल भी ना लगाया कटाना को बाहर खींचने में।
और अगले ही पल माउंट फूजी एक दम शांत हो गया।
वाह नागराज! तुमने कमाल कर दिया। माउंट फूजी ने क्रोध उगलना बंद कर दिया।
इस कमाल की असली हकदार तुम ही हो कियो।
तुम ना रोकती तो शायद मैं तोड़-फोड़ में ही लगा रहता।
वहां प्रवेश किया जेटली ने।
तभी वातावरण दौड़ते कदमों की आहटों से गूंज उठा-
वाह नागराज! तुमने गजब का काम किया। शाबाश।

माउंट फूजी को जापान और अमेरिकी फोर्स ने अपने कब्जे में ले लिया-
माउंट फूजी विजय पर हर्षोल्लास की लहर दौड़ गई। जापानियों ने हिंसा के उस तांडव के बाद राहत की सांसें लीं-
ARMY
अमेरिकी राजदूत ने जेटली को नेशनल हीरो के सम्मान से नवाजा।
जापान सरकार ने जेटली को माउंट फूजी विजेता मानकर उसे सम्मानित करने के लिए तुरंत एक सम्मान सभा का आयोजन किया।
FRIENDS PROVIDENT
जापान की नेशनल ऐंथम ने दिलों में जोश फूंक दिया।

नेशनल हीरो बने जेटली की शान ही निराली थी उसका सीना फक्र से तना हुआ था। गर्दन गर्व से अकड़ी हुई थी-
यह बुजदिल क्या इस सम्मान का हकदार है?
इस सम्मान का सच्चा हकदार तो कोई और है।
हर देश में हक मारने का यह अन्याय होता है। जान हथेली पर कोई लेता है, सीने पर मेडल कोई और लगवाता है।
क्षुब्ध मन से नागराज ने जेटली को बधाई दी-
कांग्रेचुलेशन जेटली
थैंक्यू नागराज।
नागराज। तुम्हारे जापान के मिशन का तो समापन हुआ। अब कहां जाओगे?
जेटली। मुझे कब कहां जाना होता है। मुझे भी मालूम नहीं होता।
तुम्हारा आतंकवाद का सफर कब खत्म होगा नागराज?
जब तक विश्व में एक भी आतंकवादी जिंदा रहेगा जेटली, नागराज का सफर जारी रहेगा।
तुम्हारा कुछ नहीं हो सकता नागराज। शिकाता गा नई।
शिकाता गा नई।
शिकाता गा नई।
शिकाता गा नई।
कुछ पल को नागराज का मस्तिष्क झनझना गया।

क्या हुआ नागराज? तुम ठीक तो हो ना?
हां कियो। मैं ठीक हूं। टोमो मुझे दो।
नागराज की गरजदार आवाज ने वहां सन्नाटा खींच दिया।
ठहरो जेटली।
जेटली पलटा-
मैं नागराज। जापान के नेशनल हीरो के साथ केनजुत्सू की एक फाइट लड़ना चाहता हूं।
यह जापानवासियों की महान मार्शल आर्ट्स कला को सम्मान दिखाने के लिए नागराज का एक तोहफा होगा।
एक महान चुनौती को देखने के लिए सभी सांसें रोककर तैयार हो गए।
दोनों योद्धा एक-दूसरे के पहले वार का इंतजार करने लगे।
दोनों की नजरें एक दूसरे की नजरों में समा गई थीं।
यह आज तक मुझे यही दर्शाता रहा कि यह नौसिखिया समुराई है।
लेकिन इसकी आंखें जिस तरह मेरी आंखों में झांककर मेरी आत्मा को टटोलने की कोशिश कर रही हैं इससे यही साबित होता है कि यह एक एक्सपर्ट समुराई है। अब यह मुझे और धोखा नहीं दे सकता।
यह वार करने की जल्दी नहीं कर रहा यानि कि यह चाहता है कि पहला वार मैं करूं।

मुझे पहला वार करने में कोई आपत्ति नहीं है।
केनजुत्सू में तीन कायदे होते हैं सुकी यानी की ओपनिंग। यह पहचानना की कब आपका प्रतिद्वंद्वी कमजोर है और कहां से कमजोर है।
सेन यानी की इनीशिएटिव यह पहचानना कि कब पहला और कब अंतिम वार करना है।
माई यानी की टाइमिंग यह पहचानना कि प्रतिद्वंद्वी से आपकी दूरी कितने समय में खत्म होगी और किस कोण और लय से यह दूरी खत्म करनी है।
यह मेरे वारों को पहचानने में समय गुजार रहा है जिससे कि मेरे वारों में किसी खामी को पहचान सके।
यह गोनोसेन यानी की लेट अटैक की प्लानिंग पर अमल कर रहा है।

लेकिन मैं इस फाइट को लंबा नहीं खिंचने देना चाहता। मैं इसे अपनी गति से हराऊंगा।
ओह! यह बहुत शातिर निकला। इसने आइकी का प्रयोग किया है जिसमें ये मेरे वारों की एनर्जी का इस्तेमाल करके अपनी एनर्जी को बढ़ा कर वार कर रहा है।
इसके वार घातक हैं।
मेरे घाव तो भर जाएंगे।
लेकिन अंगों को कटने से बचाना होगा।
कटाना तामहगाने से बनाई जाती है इससे ताकतवर धातु दुनिया में कोई नहीं है। यह हवा के झोंके सी चलती है और एक ही वार में पूरे शरीर को काट सकती है।
मैंने इसे फिर से कम आंका।
मुझे इस पर कुजूशी का इस्तेमाल करना होगा। कुजूशी यानी की प्रतिद्वंद्वी को असंतुलित करना।
मैं लड़ते हुए इसे ऐसी जगह ले जाऊंगा। जहां यह अपना संतुलन खो देगा।
नागराज के लिए यह काम बहुत आसान है।
यह अचंभित हो गया है। इसका ध्यान भंग होने से इसकी लय बाधित हो गई है।
जेटली तुम गजब के खिलाड़ी निकले।
खिलाड़ी तो तुम भी कम नहीं हो नागराज।
41
amaan.cooldude18

नागराज की एक किक ने जेटली की तलवार उसके हाथों से छुड़वा दी-
मुझे तुमसे इतनी उम्दा केनजुत्सु की उम्मीद नहीं थी।
मुझे तुमसे ऐसी घटिया चाल की उम्मीद नहीं थी।
तब स्तब्ध खड़े दर्शकों की सांसें लौटी और उस शानदार फाइट के विजेता नागराज के अभिवादन के लिए तालियों से गूंज उठा समारोह स्थल।
तो नेशनल हीरो मिस्टर जेटली उर्फ महा प्रक्षेपास्त्र के रचियता अब आप अपना भेद खुद खोलेंगे या मैं सच्चाई से सभी को अवगत कराऊं।
कैसी सच्चाई? नागराज! मेरा उद्देश्य पूरा हो चुका है। अमेरिका को मैंने भयानक जख्म दे दिया है। जापान ने दिखा दिया कि वो कभी भी कुछ भी कर सकता है। आज मैं नेशनल हीरो बन चुका हूं।
जेटली गद्दार! अमेरिका को दुश्मन कहने वाले। क्या यही है तेरी और जापान की शान? तेरा जापान आज भी वहीं का वहीं है। अमेरिका का गुलाम।
क्या तेरे माता-पिता की आत्मा को इस तमगे से शांति मिल गई होगी जो तेरी छाती पर एक अमेरिकी ने ही टांका है।
खामोश नागराज।
मेरी खुद्दारी को मत ललकार।
जेटली चुप बैठा है सही समय की खोज में। एक दिन मैं जरूर तबाह करूंगा अमेरिका को।
सुन रहा है ना तू, जेटली जरूर तबाह करेगा अमेरिका को।
जेटली की आवाज कोने-कोने में गूंज उठी-
42
amaan.cooldude18

नागराज ने खामोशी से जेटली की छाती से वो तमगा नोंच लिया।
गुरु कोशीमासा को अस्पताल पहुंचा दिया गया-
उनके अवचेतन मस्तिष्क ने नागराज की चेतना को छोड़ दिया था। अब वे होश में थे। लेकिन एकदम शांत।
आंखों में था आभार और प्रायश्चित।
कियो इस सम्मान की हकदार तुम हो। तुम हो जापान की नेशनल हीरो।
नागराज!
हां कियो। जब भी गुरु ड्रैगो से मिलना हो तो उन्हें मेरा धन्यवाद कहना। मेरी सुपारी याकुज़ा को देने के लिए।
मतलब उन्होंने हमेशा कियो का साथ दिया वो खुद नहीं तो मेरे संघर्ष में मेरा साथ देने के लिए उन्होंने तुम्हें बुलवा लिया।
मतलब गुरु ड्रैगो ने तुम्हें जापान बुलाने के लिए मुझे तुम्हारी सुपारी दी थी।
नागराज कियो के पास लौटा।
अब उसका स्थाई पता था। टोमोशोगो विला।
मैं तुम्हारे फैसले से बहुत खुश हूं कियो।
नागराज मैं अपनी जिंदगी याकुज़ा के खात्मे में लगा दूंगी।
हां कियो। गुरु की महानता और उनके सहयोग पर कभी शक नहीं करना चाहिए। गुरु साथ हो तो इंसान कुछ भी कर सकता है। अब तुम खुद को कभी ना समझना रोनिन।

अब जो आप देखने जा रहे हैं वो दृश्य आपको विचलित कर सकते हैं। लेकिन जो सिर उठा रहा है वो आतंकवाद विश्व के रोंगटे खड़े कर देने वाला है।
यह विडियो फूटेज GERMANY की ORDER OF BABEL नामक ORGANISATION ने जारी किया है। इस जघन्य नरसहांर के पीछे उनका मकसद अभी एक पहेली है। एक खूनी पहेली।
इन बंधकों की आंखें...यह तो...
यह नरसंहार नागराज के लिए संदेश है। इस संदेश का जवाब देने के लिए अब नागराज को जाना ही होगा...
...GERMANY!!
एक नई शुरुआत!